FD-204

M.A. 1st Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

HINDI

Paper - IV

आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी एवं चरित्रात्मक तथा आत्मकथात्मक कृति)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ और प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) त्याग और क्षमा, तप और विद्या-तेज और सम्मान के लिए है। लोहे और सोने के सामने सिर झुकाने के लिए हम लोग ब्राह्मण नहीं बने हैं। हमारी दी हुई विभूति से हमीं को अपमानित किया जाय, ऐसा नहीं हो सकता। कात्यायन! अब केवल पाणिनी से काम न चलेगा। अर्थशास्त्र और दंड-नीति की आवश्यकता है।

(ख) राजा कभी किसी का दोस्त नहीं होता। वह कभी एक की पीठ थपथपाता है तो कभी दूसरे की। वह देखेगा कि दस्तकार सिर उठाने लगे हैं तो वह सामन्तों और गिरजेवालों की पीठ थपथपायेगा! जब देखेगा कि गिरजेवाले सिर उठा रहे हैं तो दस्तकारों की पीठ थपथपा देगा।

(ग) लेकिन शेष मेरा दायित्व लेंगे
बाकी सभी ....
मेरा दायित्व, वह स्थित रहेगा
हर मानव-मन के उस वृत्त में
जिसके सहारे वह
सभी परिस्थितियों का अतिक्रमण करते हुए
नूतन निर्माण करेगा पिछले ध्वंशों पर!
मर्यादायुक्त आचरण में
नित नूतन सृजन में
निर्भयता के,
साहस के,
ममता के,
रस के
क्षण में
जीवित और सक्रिय हो उठूँगा मैं बार-बार!

(घ) जानकी का युग इस देश से कभी नहीं मिटेगा। मैं जानकी हूँ। इस देश की कोई भी स्त्री जानकी है। जब तक हमारे भीतर जानकी का त्याग है, जानकी की क्षमा है, तब तक वही है। तुम्हारे लिए जानकी पौराणिक है, इसलिए असत्य हैं। मेरे लिए वह भावगम्य हैं, उनके भीतर मेरी सारी समस्याएँ, सारे समाधान हैं। रात में तुम अविश्वास कर सकते हो, जानकी में अविश्वास का अधिकार तुम्हें नहीं है।

(ङ) भला पुछिए इन अक्ल के ठेकेदारों से कि क्या लड़कों और लड़कियों की पढ़ाई एक बात है। अरे मर्दों का काम तो है ही पढ़ना और काबिल होना, अगर औरतें भी वही करने लगीं, अंग्रेजी अखबार पढ़ने लगीं और 'पालिटिक्स' वगैरह पर बहस करने लगीं, तब तो हो चुकी गृहस्थी! जनाब, मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं; शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं।

(च) ओ आदमी जी भर खा-पी नहीं सकता; हँस-हँसा नहीं सकता, वह जिंदगी में कर ही क्या सकता है। दुख और मुसीबतों के बंधन ही क्या कम हैं, जो जिंदगी को शिष्टाचार की बेड़ियों से जकड़ दिया जाए - यह न करो, वो न करो; ऐसे न बोलो, वैसे न बोलो; यों न बैठो त्यों न बैठो - इन वर्जनाओं का कहीं अंत भी है?

2. 'कार्नेलिया' पात्र की भूमिका स्पष्ट करते हुए सोदाहरण चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

अथवा

नाट्य-तत्वों के आधार पर 'अंधा युग' नाटक का वैशिष्ट्य उद्घाटित कीजिए।

3. ''ताँबे के कीड़े' एकांकी एब्सर्ड (अमूर्त) नाटक है।'' सोदाहरण सिद्ध कीजिए। 10

अथवा

एकांकी तत्वों के आधार पर 'एक दिन' एकांकी की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

4. चरितात्मक कृति के परिप्रेक्ष्य में 'आवारा मसीहा' कृति की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'जूठन' आत्मकथात्मक कृति की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 10

(*i*) 'चन्द्रगुप्त' नाटक की कथावस्तु

(*ii*) हानूश पात्र की चरित्रगत विशेषताएँ

(*iii*) महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय

(*iv*) मालविका पात्र की भूमिका

(*v*) 'तौलिए' एकांकी का उद्देश्य

(*vi*) जगदीशचन्द्र माथुर का साहित्यिक परिचय

(*vii*) लक्ष्मीनारायण मिश्र की एकांकी कला

(*viii*) 'रीढ़ की हड्डी' के नाम की सार्थकता

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 10

(*i*) राक्षस किस नाटक का पात्र है?

(*ii*) मगध का राजा कौन था?

(*iii*) 'चन्द्रगुप्त' नाटक के लेखक कौन हैं?

(*iv*) कात्या किसकी पत्नी है?

(*v*) पाठ्यक्रम में सम्मिलित कौन-सा एकांकी समस्या नाटक है?

(*vi*) अश्वत्थामा किसका पुत्र था?

(*vii*) हानूश नाटक में कितने अंक हैं?

(*viii*) 'कारवाँ' एकांकी संग्रह के लेखक कौन हैं?

(*ix*) 'उमा' किस एकांकी की पात्र है?

(*x*) 'पथ के साथी' किस कोटि की कृति है?

(*xi*) 'सुवासिनी' पात्र किस नाटक से सम्बन्धित है?

(*xii*) पाठ्यक्रम में सम्मिलित भुवनेश्वर का कौन-सा एकांकी है?

(*xiii*) काव्यनाटक कोटि की कौन-सी कृति पाठ्यक्रम में है?